भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1152
01/08/2024 को उत्तर दिए जाने के लिए

देश में लू की लहर

1152. श्री धनंजय भीमराव महादिक:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का ध्यान हाल के वर्षों में लू की चिंताजनक स्थिति की ओर आकर्षित हुआ है यदि हां, तो आगामी वर्षों में लू के कारणों को कम करने के लिए उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है, यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं; और

(ख) सरकार लू के लिए पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने और देश के विभिन्न क्षेत्रों में इससे संबंधित तैयारियों में सुधार करने के लिए मौसम विज्ञान विभागों और जलवायु विशेषज्ञों के साथ किस तरह समन्वय करती है?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) जी हां। भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 1961 से 2020 तक के आंकड़ों के आधार पर देश भर में लू की स्थिति के रुझान का विश्लेषण किया है। सामान्य तौर पर, उत्तरी मैदानों और मध्य भारत वाले हीट कोर ज़ोन में लू की आवृत्ति में वृद्धि की प्रवृत्ति है। लू की बढ़ती आवृत्ति और तीव्रता वैश्विक जलवायु परिवर्तन के व्यापक मुद्दे के स्पष्ट संकेतक हैं।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन के मूल कारणों का समाधान करना लू के प्रभाव को कम करने के लिए आवश्यक है। इसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में बदलाव लाने और सभी क्षेत्रों में सतत प्रथाओं के कार्यांवयन के लिए अन्तरराष्ट्रीय सहयोग शामिल है। इस दिशा में, भारत ने अन्तरराष्ट्रीय सौर गठबंधन और आपदा-प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन जैसी पहलों के माध्यम से अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने में सक्रिय भूमिका निभाई है। भारत विकास के लिए कार्बनकम करने की रणनीतियों को अपनाने के लिए प्रतिबद्ध है और राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुसार सक्रिय रूप से उनका पालन कर रहा है।

(ख) भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश भर के विभिन्न अनुसंधान केंद्रों के साथ समन्वय करके निगरानी और पूर्व चेतावनी प्रणालियों को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिससे लू सहित चरम मौसम की घटनाओं के दौरान जान-माल के नुकसान को कम करने में मदद मिली है। इनमें निम्नलिखित शामिल हैं:

i. ऋतुनिष्ठ और मासिक पूर्वानुमान जारी करना, उसके बाद तापमान और लू की स्थिति के विस्तारित-अवधि पूर्वानुमान जारी करना। समय पर सार्वजनिक पहुंच के लिए विभिन्न सोशल मीडिया के माध्यम से प्रारंभिक चेतावनी और पूर्वानुमान की जानकारी भी प्रसारित की जाती है।

ii. राज्य सरकार के अधिकारियों और आपदा प्रबंधन एजेंसियों को योजना बनाने में मदद करने के लिए भारत भर में जिलावार लू सुभेद्यता एटलस।

iii. भारत भर में गर्म मौसम के जोखिम का विश्लेषण मानचित्र जिसमें दैनिक तापमान, हवाएं और आर्द्रता की स्थिति शामिल है।

iv. लू की स्थिति से ग्रस्त 23 राज्यों में हीट एक्शन प्लान (HAP) को राज्य सरकारों के सहयोग से राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (NDMA) द्वारा संयुक्त रूप से लागू किया गया है।

ग्रीष्म ऋतु के आरंभ होने से काफी पहले राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर लू की तैयारी के लिए बैठकों की एक श्रृंखला आयोजित की गई तथा ऋतु के दौरान समय-समय पर नियमित समीक्षा बैठकें की गईं।

*****